the PTI people. Madam, I hope that you are aware of this situation. This threatening should be condemned thoroughly. Nobody, not even a Chief Minister, has a right to threaten the PTI or other correspondents to stop the service and try to have them to a particular line If it is an open Government, we have to go in that direction.

(*Interruptions*)

SHRI V. GOPALSAMY: What Mr. Vishwa Bandhu Gupta said is totally untrue. It is a mischeivous propaganda done by vested inttrests.

(*Interruptions*)

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu): Madam, the hon. Member is making a wrong statement. The Government of Tamil Nadu has already denied that statement.

(*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat. The hon. Minister of Labour is here and the Leader of the House is here. The Government has hard everybody's concern. The matter was raised in the previous session also and the Minister of Labour reacted. I am sure the Government will take action on it.

SHRI KAPIL VERMA: The Labour Minister is here. He must tell us what he is going to do about it.

SHRI DIPEN GHOSH: We will request the Labour Minister to take it up.

श्रम और कल्याण मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : मैडम्, जहां तक बचावत कमेटी की रिपोर्ट का मामला है, प्रधान मंत्री ने और लेबर मंत्रालय ने, हम लोगों ने कहा है कि हम लोग इसके साथ हैं और सरकार देख रही है कि इस संबंध में जो भी श्रम मंत्रालय के या सरकार के द्वारा होगा जो बचावत कमेटी की रिपोर्ट में कहा है और जो जर्नलिस्टों और नानजर्नलिस्टों के हक में है, हम उसकी मंशा के साथ है। इस पर सरकार गंभीरतापूर्वक विचार करेगी ।

श्री अरविन्द गणेश कुलकर्णी : क्या करेगी, हम पूछ रहे है ... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not permitting any debate. Mr. Gopalsamy, now you are on the right side. Please have some restraint. On the popular demand of the whole House, the Minister has responded. He will come back and let you know. Now, Shri Surendra Singh Thakur....

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव: (महाराष्ट्र): गम्भीरतापूर्वक विचार करने का क्या मतलब है ? यह लागू कर रहे है या नहीं है यह बात मैं जानना चाहता हूं । (व्यवधान)

VIOLENT DEMONSTRATION DURING INDIA-PAKISTAN CRICKET MATCH IN KARACHI

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदया, कल 20 दिसम्बर, 1989 को कराची के नेशनल स्टेडियम पर भारत-पकिस्तान वन-डे श्रृंखला के तीसरे मैच के दौरान जब भारतीय तेज गेंदबाज मनोज प्रभाकर ने रमीज राजा, सलीम मलिक और जावेद मियांदाद को एक के बाद एक पैवेलियन लौटा दिया तो वहां के पाकिस्तानी दर्शकों ने इस हार का जवाब जब पत्थर, बोतले और कुर्सियां फैंक कर भारतीय क्रिकेट टीम जो उस समय बालिंग कर रही थी के क्षेत्र रक्षक को घायल करके दिया तब वे यह भूल गये थे कि यह युद्ध का मैदान नहीं खेल का मैदान है और खेल के मैदान में खेल भावना से जहां खेलना आवश्यक है वही उसी भावना से खेल देखना भी आवश्यक है । यह भावना जहां खेल में विजय प्राप्ति पर खुश होने के लिए प्रेरित करती है वही हार को भी धैर्यपूर्वक सहन करने को प्रेरणा देती हैं ।

लेकिन यह दुर्भाग्य की बात है कि ऐसी घटनाएं पाकिस्तान में आम है । 1982 में भी इसी स्टेडियम पर आस्ट्रेलिया

[श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर]

पाकिस्तान मैच के दौरान पथराव हुआ था और आस्ट्रेलियाई खेल मैदान को छोड़ कर जाने को मजबूर हो गये थे।

वैस्ट इंडीज, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, श्रीलंका व न्यूजीलैंड की टीमें जब जब पाकिस्तान आती है वहां की एम्पायरिंग और दर्शकों की घटिया हरकते खेल का गला घोंट देती है लेकिन वहां की सरकार व खिलाड़ियों या क्रिकेट बोर्ड ने कोई ठोस निर्णय इस बारे में नहीं लिया है बावजूद इसके कि कई वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ियों ने पूर्व में कई बार इस मसले को उठाया है।

एक ओर जहां इस अशोभनीय कृत्य की मैं निन्दा करता हूं वहीं मैं राजा मांडा की इस अल्पमत सरकार जो लेफ्ट और राइट के समर्थन की आशा में बैठी है, से मांग करता हूं कि वह पाकिस्तान को भारत के नागरिकों की भावना से अवगत करायें और सुनिश्चित करवाये कि भविष्य में भारत की ओर से गया हुआ कोई अजहरुद्दीन या रमन लाम्बा खेल के मैदान पर घायल नहीं हो एवं साथ ही में भारत सरकार से हमारी मांग है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस को कहें कि भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के दौरान खेल भावना से ओत-प्रोत एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान करने हेतु पाकिस्तान क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के खिलाफ सख्त कदम उठाये भले ही इसके लिए उसको पाकिस्तानी टीम को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेल जगत से बाहर करना पड़े। धन्यवाद।

SHRI SYED SIBTEY RAZI (Uttar Pradesh): I associate myself with this Special Mention.. .

श्री राम नरेश यादव : सारा सदन एक मत है क्योंकि भारतीय खिलाड़ियों के साथ इस प्रकार का दुर्व्यवहार हो यह बहुत खतरनाक बात है। पूरा सदन चाहता है कि सरकार इस पर ध्यान दे। (**व्यवधान**)

श्री सैयद सिब्ते रजी : नेता सदन इतने गम्भीर मसले की तरफ ध्यान नहीं दे रहे है। वह किसी से बात कर रहे हैं। इनको हमारी बात सुननी चाहिए। यह हमारी भावनाओं का सवाल है। हमारे देश की इज्जत का सवाल है। खेल का सवाल है। नेता सदन को चाहिए हमारी बातों को ध्यानपूर्वक सुनें। (**व्यवधान**) यह किचन केबिनेट क्या कर रही है? यह महत्वपूर्ण सवाल है। हमारे खिलाड़ियों की बेइज्जती हो रही है। नेता सदन को इस पर गौर करना चाहिए।

उपसभापति : आप जरा बैठ जाइयें। I have identified him to speak.

श्री मीर्जा इर्शादबेग : माननीय उपसभापति महोदया, कल जो घटना घटी है मैं समझाता हूं खेल जगत की जो सपोर्ट भावना होनी चाहिए उस भावना के खिलाफ यह घटना घटी है। इसके लिए कड़े शब्दों में मैं इसकी भर्त्सना और आलोचना करता हूं। चाहे क्रिकेट हो या कोई खेल हो, किसी भी धरती पर खेला जाए वह सपोर्ट्स मैन स्प्रिट की भावना से खेला जाना चाहिए और उसी भावना से देखना चाहिए।

जिस तरह की घटना पाकिस्तान में घटी है, मैं समझता हूं कि पाकिस्तान की जनता के लिए भी यह उचित नहीं है। पाकिस्तान अगर अपने आपको इस्लामिक राष्ट्र कहलाता हैं तो मैं यह कहना चाहूंगा कि इस्लामिक परम्परा के खिलाफ उसकी जनता ने यह बात की है और इसकी मैं कड़े शब्दों में आलोचना करता हूं। मैं सरकार से मांग करता हूं, विदेश मंत्री जी यहां पर मौजूद हैं, मैं उनसे कहूंगा कि यह खेल जगत के लिए और स्पोर्टसमेन के साथ एक गम्भीर घटना घटी है। अगर वे यह समझते हैं कि इस तरह की घटना घट सकती है और अगर हमारे एक भी खिलाड़ी को कोई नुकसान पहुंच सकता है तो मैं समझता हूं कि यह समग्र विश्व के खेल जगत के लिए शर्मनाक घटना है और मैं आशा करता हूं कि यह अल्पमत की सरकार क्या

इस बारे में पाकिस्तान की सरकार को अपना प्रोटेस्ट देगी और क्या अभी तक कोई प्रोटेस्ट दिया है और अगर नहीं दिया है तो इसका प्रोटेस्ट देना चाहिए ? मैं आपके माध्यम से यह मांग करता हूं कि यह एक गम्भीर घटना घटी है और कम से कम हमारे खिलाड़ियों की सुरक्षा के साथ एक बड़ी घटना घटी है, इसलिए यह सरकार पाकिस्तान के सूत्रों के साथ सम्पर्क करे और भारतीय जनता का हमारे क्रिकेट खिलाड़ियों के साथ जो सूत्र बंधा हुआ है, उनकी जो भावनायें हैं उन भावनाओं को पाकिस्तान सरकार से निवेदित किया जाए और भारतीय जनता की भावनाओं से उनको अवगत कराया जाय। उनसे यह आश्वासन भी लिया जाये कि यदि आने वाले दिनों में पाकिस्तान की सरकार उनको सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकती है तो हम अपने खिलाड़ियों को किसी भी सूरत में उस देश की धरती पर भेजने के लिए मजबूर नहीं करेंगे।

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV (Maharashtra): Madam, please give me a minute.

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is a serious matter. Our players have been Insulted and hurt. I thing the whole House would join in condemning it. Yes, Mr. Salve.

SHRI N. K. P. SALVE (Maharashtra): Madam, as one associated with the administration of cricket at the national level I want to respectfully submit that what has happened in Karachi is not only very very unsporting, but extremely unfortunate and extremely objectionable. We wert in a winning position and at that juncture for the crowd to have behaved in such an unruly manner is the height of unsortsmanship. But Madam, there are some towns which are very prone to this kind of unruly behaviour by the crowds. In India there are also a few towns like this and this is not because we were Indians and they were Pakistanis. Similar behaviour had taken place in the fields of Karachi against the Australian team. Once the other side is in a winning position, the crowds start misbehaving. May I, therefore, Madam, submit that the Board for Control for Criket in India should be directed by the Sports Ministry not to include Karachi as one of the playing centres whenever India visits Pakistan?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes, Mr. M. A. Baby. (*Interruptions*).

SHRI N. K. P. SALVE: This has been only in Karachi, not in any other town. Invariably this has happened in Karachi. This has not happened in Gusranwala, this has not happened in Lahore and this has not happened in Faizalabad.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, it is unjust to castigate the entire population of Karachi and penalise them for the action of some hoodlums. It will be most imprudent and unusual on our part if we do this. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is a field day today.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: The attitude of Pakistan towards Indian batsmen... (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN. I said the whole House associates with it. That is enough. Please sit down.

Yes, Mr. Baby.

REPORTED INVASION OF PANAMA BY U.S.A.

SHRI M. A. BABY (Kerala): Madam Deputy Chairman, I would like to raise a very serious matter, namely, the attack by U.S.A. on Panama. Before I begin, I would like to request the hon. Minister for External Affairs, Mr. I. K. Gujaral, who is also present in the House, to make a statement on this very serious development. Madam, as you know, in the early hours of yesterday, sovereign country, Panama, was attacked by more than 20,000 troops of the U.S.A. Thirteen-thousand troops were already stationed there and a reinforcement of another 7,000 was sent. Many people have been killed in this attack. This attack by the U.S.A. on Panama is nothing but a naked,